एग्री मैगज़ीन
(कृषि लेखों के लिए अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (अप्रैल, 2025)
www.agrimagazine.in पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री मैगज़ीन, आई. एस. एस. एन.: 3048-8656

गन्ने में लगने वाले प्रमुख कीट एवं उनके रोकथाम

*तनु सिंह, नवीन विक्रम सिंह, बाल मुकुंद पाण्डेय, राहुल कुमार एवं अंशुमान सिंह
कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत
*संवादी लेखक का ईमेल पता: tanusingh8676@gmail.com

गन्ना भारत की एक प्रमुख नकदी फसल है, जिसे किसानों के लिए "हरा सोना" भी कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम *Saccharum officinarum* है और यह घास कुल (Poaceae) का सदस्य है। यह फसल गर्म एवं आर्द्र जलवायु में अच्छे से पनपती है, और इसे मुख्यतः उष्णकटिबंधीय एवं उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है। भारत गन्ना उत्पादन में विश्व के अग्रणी देशों में से एक है, जिसमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और पंजाब जैसे राज्य प्रमुख उत्पादक हैं। गन्ने की खेती दो सीजन में होती है – बसंत काल (फरवरी-मार्च) और पतझड़ काल (अक्टूबर-नवंबर)। इसकी खेती के लिए गहरी, उपजाऊ, जलनिकासी युक्त दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है। गन्ना मुख्यतः चीनी, गुड़, खांडसारी और एथेनॉल जैसे उत्पादों के निर्माण में प्रयोग होता है। इसके अतिरिक्त, गन्ने की खोई (Bagasse) का उपयोग जैविक ऊर्जा उत्पादन, कागज बनाने तथा चारा के रूप में भी किया जाता है। गन्ना किसानों की आय का एक बड़ा स्रोत है तथा भारत की चीनी मिलें, हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराती हैं। हालांकि, गन्ने की खेती में कई समस्याएँ भी हैं जैसे—कीट व रोगों का प्रकोप, अधिक पानी की आवश्यकता, और लागत में वृद्धि। फिर भी, यदि आधुनिक कृषि विधियों, सिंचाई प्रबंधन, और कीट नियंत्रण तकनीकों का उपयोग किया जाए, तो गन्ना उत्पादन को और अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। गन्ना भारतीय कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है।

कीट

कीट (Insect) वे छोटे जीव होते हैं जो अक्सर पौधों, फसलों, जानवरों या मनुष्यों को नुकसान पहुँचाते हैं। ये आमतौर पर छोटे आकार के होते हैं और इनके शरीर के तीन मुख्य भाग होते हैं – **सिर (Head), वक्ष (Thorax), और पेट (Abdomen)** । इनके **छह पैर** होते हैं और कई कीटों के **पंख** भी होते हैं।

खेती-बाड़ी में, कीट वे जीव होते हैं जो पौधों को खाकर नुकसान पहुँचाते हैं, जैसे कि गन्ना, धान, गेहूं, सब्जियाँ आदि। ये पौधों की पत्तियाँ, तना, जड़ या फल को खाते हैं जिससे उत्पादन कम हो जाता है।

प्रमुख कीट एवं उनके रोकथाम

शूट बोरर (Shoot Borer) – *Scirpophaga excerptalis:* शूट बोरर कीटों का एक समूह है जो विभिन्न पौधों, विशेष रूप से फलों के पेड़ों, वन प्रजातियों और सजावटी पौधों की कोमल टहनियों और बढ़ती हुई नोक पर हमला करने के लिए जाना जाता है। इन कीटों को "शूट बोरर" इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनके लार्वा युवा टहनियों में छेद कर देते हैं, जिससे पौधे मुरझा जाते हैं, विकास रुक जाता है और कभी-कभी पौधे की बढ़ती हुई नोक मर जाती है।

लक्षण

- छोटे पौधों की शीर्ष कलिकाएं सूख जाती हैं (टॉप बोरिंग)।
- सूखी हुई टहनी को खींचने पर आसानी से बाहर आ जाती है।
-

रोकथाम

- समय पर रोपाई करें (जुलाई तक)।
- प्रभावित पौधों को काटकर नष्ट करें।
- **कीटनाशक:** क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी (2 मि.ली./लीटर पानी) का छिड़काव करें।

टॉप शूट बोरर (Top Shoot Borer): टॉप शूट बोरर (*सिर्पोफेगा एक्सरप्टालिस*) एक प्रमुख कीट है जो मुख्य रूप से गन्ने को प्रभावित करता है। यह पौधे की ऊपरी शाखाओं या बढ़ते बिंदुओं पर हमला करने के लिए जाना जाता है, जो इसके ऊर्ध्वाधर विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस बोरर के कारण होने वाले नुकसान के परिणामस्वरूप मृत हृदय, रुका हुआ विकास और महत्वपूर्ण उपज हानि हो सकती है।

लक्ष:

- पौधे के ऊपरी भाग में सुरंग बनाकर अंदर खाना।
- पौधा रुक जाता है और पत्तियाँ सूखने लगती हैं।

रोकथाम

- फसल की निगरानी करें और संक्रमित भाग हटाएं।
- **कीटनाशक:** क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 SC (150 मिका छिड़काव करें। (हेक्टेयर/.ली.

स्टेम बोरर (Stem Borer): स्टेम बोरर कीटों का एक समूह है जो मुख्य रूप से चावल, मक्का, गन्ना और ज्वार जैसी अनाज की फसलों पर हमला करते हैं। वे कई प्रजातियों से संबंधित हैं, सबसे आम तौर पर लेपिडोप्टेरा (पतंगे) और कोलोप्टेरा (भृंग) आदेश के अंतर्गत आते हैं। इन कीटों को उनके विनाशकारी व्यवहार से उनका नाम मिलता है: लार्वा पौधों के तनों में छेद करते हैं, अंदर से भोजन करते हैं और पोषक तत्वों और पानी के प्रवाह को बाधित करते हैं।

लक्षण

- तनों में छेद कर सुरंग बनाना।
- गन्ना कमजोर हो जाता है और गिरने लगता है।

रोकथाम

- संक्रमित गन्ने को खेत से निकाल कर जलाएं।
- **कीटनाशक:** कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 SP (1 ग्राम/लीटर पानी) का छिड़काव करें।

टरमाइट (दीमक): दीमक छोटे, सामाजिक कीट होते हैं जो अपनी लकड़ी खाने की आदतों और जटिल कॉलोनी संरचनाओं के लिए जाने जाते हैं। अक्सर "मूक विध्वंसक" के रूप में संदर्भित, दीमक लकड़ी, कागज और पौधों के मलबे जैसी सेल्यूलोज-आधारित सामग्रियों को खाकर इमारतों और पेड़ों को महत्वपूर्ण संरचनात्मक नुकसान पहुंचा सकते हैं।

लक्षण

- जमीन के नीचे से तने को खाकर खोखला कर देते हैं।
- पौधे अचानक मुरझा जाते हैं।

रोकथाम

- खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **कीटनाशक:** क्लोरपायरीफॉस 20 ईसी (4 लीटर/हेक्टेयर) सिंचाई के पानी में मिलाकर दें।

ऊनी एफिड्स (Woolly Aphid): ऊनी एफिड्स एफिडीडे परिवार से छोटे, रस चूसने वाले कीट हैं, जो अपने शरीर पर विशिष्ट सफेद, मोमी, कपास जैसे आवरण के लिए जाने जाते हैं। यह रोएँदार उपस्थिति उन्हें सामान्य कीटों की तुलना में ऊन के छोटे गुच्छों की तरह अधिक दिखती है। ऊनी एफिड्स सेब, एल्म, मेपल और एल्डर पेड़ों सहित विभिन्न प्रकार के पौधों को खाते हैं, और कुछ प्रजातियों को उनके द्वारा किए जाने वाले नुकसान के कारण गंभीर कीट माना जाता है।

लक्षण

- पत्तियों पर सफेद रूई जैसा जमाव।
- पत्तियाँ पीली हो जाती हैं और विकास रुकता है।

रोकथाम

- प्राकृतिक शत्रुओं (जैसे लेडी बर्ड बीटल) को प्रोत्साहित करें।
- **कीटनाशक:** डाईमेथोएट 30 ईसी (1.5 मि.ली./लीटर) का छिड़काव।